पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

शाहिद कपूर के अंदाज पर फिदा फैंस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 259 ■ मंगलवार, 7 जनवरी 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

शहाड स्टेशन परिसर में अतिक्रमण पर कार्रवाई

■ फेरीवालों व राजनीतिक बैनर को हटाया गया

■ 2 डंपर सामान जब्त

कल्याण. कडोंमनपा के ए वार्ड की फेरीवाला हटाओ टीम ने कल्याण के पास शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र में फेरीवालों पर कार्रवाई की. इस कार्रवाई में फुटपाथ, सड़क जाम कर कारोबार करने वालों, खाद्य सामग्री बेचने वालों पर कार्रवाई की गई।

मोहने क्षेत्र में, कुछ राजनीतिक समूह सड़कों और चौराहों को कमानी बनाकर अवरुद्ध कर रहे थे और उन पर अपने राजनीतिक विज्ञापन कर रहे थे। कुछ लोग उन कमानी को किराये पर ले रहे थे। चूँकि इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों का वर्चस्व था, इसलिए कोई भी मनपा अधिकारी इस कमानी पर कार्रवाई नहीं कर रहा था। वार्ड ए के सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े, फेरीवाला हटाओ टीम के प्रमुख राजेंद्र सालुंखे ने मजदूरों, जेसीबी की मदद से उन मेहराबों को तोड़ दिया और सारा सामान जब्त कर लिया. यह कार्रवाई मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़, अतिक्रमण नियंत्रण उपायुक्त अवधूत तावड़े के आदेश पर की गई. शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र की सड़कें, चौराहे फलों, सब्जियों, खाद्य सामग्री विक्रेताओं से अटे पड़े थे। शहाड रेलवे स्टेशन से मुरबाड क्षेत्र की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है. इन यात्रियों को फेरीवाले भी परेशान कर रहे थे. कई विक्रेताओं ने फुटपाथ पर स्थायी लोहे और लकड़ी के आश्रय बनाए थे। इन फेरीवालों की बढ़ती शिकायतें सहायक आयुक्त रोकड़े, टीम प्रमुख सालुंखे के पास आईं। सहायक आयुक्त रोकड़े, टीम लीडर राजेंद्र सालुंखे के साथ जेसीबी, दस कर्मचारियों की टीम, एक विध्वंस टीम और पुलिस बल शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने तुरंत फेरीवालों के ठिकानों पर कार्रवाई शुरू कर दी और उन्हें भागने का कोई मौका दिए बिना उनका सामान जब्त करना शुरू कर दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से फेरीवाले भाग खड़े हुए।

नागरिकों ने व्यक्त किया संतोष

कई विक्रेता फुटपाथों को अवरुद्ध करके गैस सिलेंडर का उपयोग करके खाद्य सामग्री बेचते पाए गए। उनके व्यावसायिक सिलेंडर जब्त कर लिए गए। फल, सब्जी बेचने वाले ठेले, आइसक्रीम के ठेले जब्त कर लिए गए। शहद रेलवे क्षेत्र से दो डंपर सामग्री जब्त की गई। शहद रेलवे स्टेशन क्षेत्र से ठेले-खोमचे वालों के हटने से रेलवे स्टेशन क्षेत्र कई वर्षों के बाद मुक्त हो गया है। नागरिकों ने इस कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया।

मानपाड़ा-हिललाइन थानों का होगा विभाजन

■ काटई और नेवाली 2 नए पुलिस थानों का शीघ्र होगा निर्माण

■ अपराध दर में वृद्धि के कारण निर्णय

■ जगह की तलाश जारी

■ काटई थाना मानपाड़ा के पास, तो नेवाली थाना डावलपाड़ा में बनने की संभावना

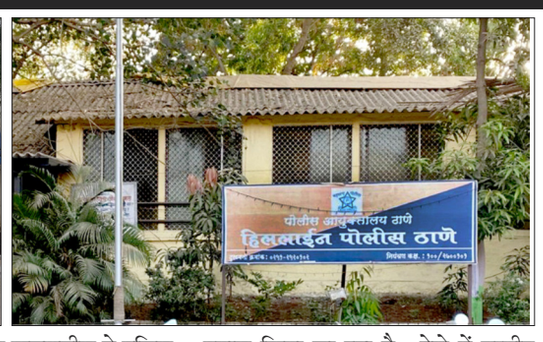

अंबरनाथ. मानपाड़ा, हिललाइन पुलिस स्टेशनों के बंटवारे का रास्ता साफ हो गया है. जल्द ही दो नए थाने नेवाली और काटई का निर्माण कराया जाएगा। इसको लेकर सरकार की ओर से प्रयास भी शुरू किये गये हैं. लेकिन सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पुलिस स्टेशनों के लिए जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण समस्याएं पैदा हो रही हैं.

बढ़ते अपराध पर लगाम कसने के लिए पुलिस तंत्र कड़ी मेहनत कर रहा है. हिललाइन और मानपाड़ा पुलिस स्टेशनों की सीमाएं बड़ी होने के कारण अपराध दर में काफी वृद्धि हुई है। मनसे नेता पूर्व विधायक राजू पाटिल ने लगातार पुलिस स्टेशनों के विभाजन की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने पुलिस स्टेशनों के बंटवारे का रास्ता भी साफ कर दिया था.

फिलहाल पुलिस एजेंसियां तुरंत उस जगह की तलाश में जुट गई हैं. केडीएमसी की विकास योजना के तहत नेवाली थाने को डावलपाड़ा में जगह मिलने की संभावना है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि काटई पुलिस स्टेशन को मानपाड़ा में क्राइम ब्रांच कार्यालय के परिसर में शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है. ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि थाना बंटवारे का यह अटका मामला जल्द ही सुलझ जाएगा.

मानपाड़ा पुलिस स्टेशन गोलवली में

मानपाड़ा पुलिस स्टेशन ऐसे पुलिस स्टेशन के रूप में चर्चा में है जहां अपराध लगातार बढ़ रहे हैं .पुलिस स्टेशन की सीमा में शहरी क्षेत्र के साथ-साथ काफी हद तक ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं। डोंबिवली एक औद्योगिक क्षेत्र भी है और खोनी में एक धार्मिक मुद्दा भी है। थाने की सीमा में नेताओं और मंत्रियों का आना-जाना लगा रहता है। इसलिए, गोलवली में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन जारी रहेगा और मानपाड़ा अपराध शाखा कार्यालय के क्षेत्र में काटई पुलिस स्टेशन स्थापित किया जाएगा, ऐसी सूत्रों ने जानकारी दी है।

उल्हासनगर में हिललाइन पुलिस स्टेशन !

हिललाइन पुलिस स्टेशन विभिन्न आपराधिक घटनाओं को लेकर चर्चा में रहता है. इस थाने की सीमा में शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र सबसे अधिक हैं। ठाणे जिले का सबसे बड़ा पुलिस बंदोबस्त इसकी सीमा के भीतर हाजीमलंग यात्रा पर रहता है। ऐसे में इस पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर नेवाली मुद्दा, कुशीवली बांध, करावले डंपिंग, उसाटने आदि मुद्दे ज्वलंत हैं। इसलिए थाने का बंटवारा जरूरी हो गया है.

अप्रैल तक पूरी हो MMRDA की सभी सड़कें- आयलानी

■ शहर की सभी सड़कें खस्ता हालत में

■ ड्रेनेज लाईन का काम 228 किमी, अब तक 50 किमी ही पूरा हुआ

■ सितंबर 2025 तक चलेगा ड्रेनेज का काम

उल्हासनगर. शहर की करीब सभी सड़कें खस्ता हालत में हो गई है धूल के कारण लोगों को भारी परेशानी हो रही है। ऐसे में विधायक कुमार आयलानी ने इस संबंध में एमएमआरडीए के अधिकारियों, मनपा अधिकारियों व ठेकेदारों से बैठक की। जिसमें अप्रैल 2025 तक सभी सड़कों के काम पूरे होने के निर्देश उन्हें दिए गए। बैठक के दौरान एमएमआरडीए द्वारा बनाई जा रही सात सड़कों की स्थिति पर चर्चा हुई। जिसमें हीरा घाट से डर्बी होटल तक सड़क की खराब स्थिति के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व नागरिकों को हो रही परेशानी से अधिकारियों को अवगत कराया गया। आयलानी ने ठेकेदारों को चेतावनी दी कि अगर काम में लापरवाही हुई तो उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा।

ज्ञात हो कि एमएमआरडीए की तरफ से उल्हासनगर शहर में सात सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। नेताजी चौक से कैलाश कालोनी, न्यू इंग्लिश हाई स्कूल से लालचक्की चौक, ए ब्लॉक से साई बाबा मंदिर रोड, वाको कंपाउंड से वीनस चौक,

सोनार चौक से कोयंडे, हीरा घाट से डर्बी होटल और श्यामाप्रसाद मुखर्जी चौक से शांति नगर का इनमें समावेश है। एमएमआरडीए के कार्यकारी अभियंता महेंद्र सिंह ने बताया कि नेताजी चौक से कैलाश कालोनी की सड़क का काम 2 किलोमीटर का है जिसमें एक तरफ 1.4 किमी तथा दूसरी तरफ 0.75 किमी का काम पूरा हुआ है सीवर लाइन, पानी के कनेक्शन की वजह से काम में देरी होना बताया गया इस पर विधायक ने मनपा जलापूर्ति विभाग के बुडगे को जल्द से जल्द यह काम पूरा करने को कहा। सीवेज व पानी के कनेक्शन का काम पूर्ण होने के बाद दस दिनों में सड़क का निर्माण पूरा हो जाएगा ऐसा अभियंता सिंह ने बताया।

हीरा घाट जो कि काफी महत्वपूर्ण सड़क है उसके बारे में जानकारी मिली कि ट्रैफिक विभाग की अनुमति नहीं मिल रही है इस पर आयलानी ने बैठक के दौरान ही ट्रैफिक विभाग के एसीपी विजय पवार से बात कर तत्काल अनुमति देने का निवेदन किया और एसीपी के द्वारा सकारात्मक जबाब मिला जिससे जल्द ही इस सड़क का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। वहीं मनपा अधिकारियों ने बैठक में बताया कि शहर में चल रहे ड्रेनेज का काम 228 किलोमीटर का है और अब तक 50 किलोमीटर तक ड्रेनेज का काम पूरा हो चुका है। लोकसभा चुनाव, दीवाली व अन्य अवसरों के कारण काम में रुकावट आई है लेकिन सितंबर 2025 तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

समाजसेवी मेंघवानी ने लगाया मनपा की टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप

■ बड़े घोटाले की आशंका

उल्हासनगर. घोटाले के मुख्यालय उल्हासनगर महानगरपालिका के सबसे भ्रष्ट विभाग बांधकाम विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया में बड़ी गड़बड़ी का आरोप समाजसेवी कुमार मेंघवानी ने लगाया है। उन्होंने कहा है कि बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में कई अनियमितताएं भरती गई है जिस कारण इसमें बड़ा घोटाला सामने आ सकता है।

मेंघवानी ने आरोप लगाया है कि निविदाओं में जान बूझकर इस तरह के प्वाइंट डाले जाते हैं जो बड़ा ठेकेदार ही पूरा कर सके जिसमें छोटे छोटे कार्यों को एक साथ जोड़कर दिया जा सके। इसका उद्देश्य केवल बड़े ठेकेदारों को ही फायदा पहुंचाने जैसा है। इसमें छोटे और मध्यम ठेकेदारों को किनारा किया जा रहा है। ऐसे में निविदा प्रक्रिया में जमकर नियमों का उल्लंघन हो रहा है। इस प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई करने और उन निविदाओं को रद्द करने की मांग कुमार मेंघवानी ने की है। इस भ्रष्ट कारोबार की शिकायत मेंघवानी ने राज्य के मुख्यमंत्री सहित संबंधित विभागों में भी की है।

तक्षशिला कॉलेज को डॉ.अम्बेडकर की सोने की मूर्ति का मिलेगा उपहार

■ गोल्डमैन रोहित पिसाल ने की घोषणा

उल्हासनगर. शिक्षा के माध्यम से डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों की विरासत को जारी रखता है और गरीब छात्रों को शिक्षित करने वाले उल्हासनगर के तक्षशिला कॉलेज को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 6 फीट की सोने की मूर्ति उपहार में देने की घोषणा विश्व प्रसिद्ध गोल्डमैन रोहित पिसाल ने की है.

महामहिंदा इंटरनेशनल धम्मदूत सोसायटी के तक्षशिला कॉलेज को गरीब लोगों के महाविद्यालय के रूप में जाना जाता है।

इस कॉलेज के स्नेह सम्मेलन में गोल्डमैन रोहित पिसाल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 6 फीट की सोने की मूर्ति उपहार स्वरूप देने की घोषणा की. इस मौके पर तालियों से उनका स्वागत किया गया. पिसाल सुशा अंडरवॉटर गोल्ड माइनिंग कंपनी के मालिक हैं।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी पानी के नीचे सोने की खनन कंपनी के मालिक, गोल्डमैन और कट्टर अंबेडकरवादी रोहित पिसाल ने जोर देकर कहा कि सोने को बुद्ध धातु के रूप में जाना जाता है और इसकी विरासत बुद्ध का उपहार है. अब अंबेडकरवादी जनता की आर्थिक सम्पन्नता पर ध्यान देने का समय आ गया है. इसके लिए उन्होंने नारा दिया कि आओ एकजुट होकर आर्थिक समृद्धि हासिल करें। उन्होंने यह भी वादा किया कि उद्योग जगत में जहां भी मेरी जरूरत होगी, मैं मदद के लिए जरूर आऊंगा। दुनिया में सभी चीजें नाशवान हैं। लेकिन सोना नहीं है.

कार्यक्रम में महामहिंद इंटरनेशनल धम्मदूत सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. एन. आनंद महाथेरो, सचिव राजेश वानखेड़े, उपाध्यक्ष डीबी इंगले, निदेशक सुबोध गोंडाने, अर्चना अहिवाले, भगवान बुद्ध ट्रस्ट के स्वामी पिल्ले, अंबरनाथ रिपाई के अध्यक्ष दीपक धनावडे, अंग्रेजी माध्यम की प्रिंसिपल अस्मिता भालेराव, मराठी प्राथमिक विभाग प्राचार्या भारती देवरे, पर्यवेक्षक आप्टे ग्रंथपाल आखरीखत सव्वाखंडे, महाराष्ट्र के कई हिस्सों से भिक्षुओं का समूह, शिक्षक, शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

अंबरनाथ के पत्रकारों ने पत्रकार दिन मनाया

■ क्राइम रिपोर्ट नहीं मिलने की शिकायत पुलिस निरीक्षक से की

■ पत्रकारों को सहकार्य किया जाएगा : पांढरे

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पत्रकारों ने नपा पत्रकार कक्ष में मराठी पत्रकार दिन मनाया. शहर के अनेक नेताओं ने

पत्रकार कक्ष में आकर एवं सोशल मीडिया पर पत्रकारों को शुभेच्छा दी. 6 जनवरी पत्रकार दिन के अवसर पर पत्रकारों ने पत्रकारों की अनेक समस्याओं पर चर्चा करने के बाद अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पांढरे से भेंट करके उनसे ये शिकायत की है कि पुलिस की ओर से पत्रकारों को रोजाना का क्राइम रिपोर्ट नहीं मिल रहा है. पुलिस स्टेशन में फोन करो तो कहा जाता है कि बाद में फोन करो, साहेब से बात करो. पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पांढरे ने कहा कि अब से ऐसा नहीं होगा. पत्रकारों के ग्रुप में रोजाना की क्राइम रिपोर्ट व्हाट्सएप के माध्यम से दी जाएगी. उस समय क्राइम पीआई शिंदे, सबकी माई सुमति पाटिल भी उपस्थित थी. पत्रकारों की ओर से सुनिल अहिरे, यूसुफ शेख, अंजिय चिरिविली व अन्य 10 पत्रकार उपस्थित थे. पत्रकार दिन पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी ने भी पत्रकारों के लिए कार्यक्रम का प्रबंध किया.

उल्हास नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा का पुनः सर्वेक्षण हो

■ शीतकालीन सत्र में विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने की पुनः सर्वेक्षण कराने की मांग

■ समस्या का समाधान निकालने के लिए विधायक प्रयासरत

बदलापुर. करीब पांच वर्षों से चर्चा में रहे बदलापुर में उल्हास नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा के मुद्दे को सुलझाने के लिए अब विधान परिषद के शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने कदम आगे बढ़ाया है। म्हात्रे ने स्पष्ट किया है कि इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए जल्द ही संबंधित विभागों के अधिकारियों और किसानों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

उल्हास नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा का मुद्दा बदलापुर में लगभग दो वर्षों से चर्चा में है। राज्य सरकार के जल संसाधन विभाग ने 11 जून 2020 को उल्हास नदी की बाढ़ नियंत्रण रेखा को अंतिम रूप देकर जल संसाधन विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया है। राज्य सरकार

के जल संसाधन विभाग द्वारा निर्धारित बाढ़ नियंत्रण रेखा के भीतर कोई निर्माण परमिट जारी नहीं किया जाएगा।

बदलापुर के खरवई, मांजर्ली, वालीवली, सोनीवली, एरंजड़, बदलापुर गांव, हेंड्रेपाड़ा, बैराज रोड, रमेशवाड़ी, सानेवाड़ी, स्टेशन क्षेत्र, शनि नगर, मोहनानंद नगर आदि क्षेत्रों की सैकड़ों एकड़ जमीन इस बाढ़ नियंत्रण रेखा के अंतर्गत आ गई है। चूंकि यह सम्पूर्ण भूमि बाढ़ से प्रभावित होगी, इसलिए इस क्षेत्र में आगे कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा तथा इस क्षेत्र में विकास कार्य रुक जाएगा। जल संसाधन विभाग पर स्थानीय नागरिकों को विश्वास में लिए बिना बाढ़ नियंत्रण रेखाएँ गलत तरीके से खींचने का आरोप लगाया जा रहा है।

'अंबरनाथ के अवैध होर्डिंग तुरंत हटाए जाएं'

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अवैध होर्डिंग्स की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है. अंबरनाथ में भी घाटकोपर जैसी भयंकर दुर्घटना ना हो जाए इसके लिए युवा सेना के उप शहर अधिकारी यश लाजवंदी अजय जाधव ने मुख्याधिकारी से भेंट करके एक लिखित पत्र देकर अवैध होर्डिंग्स को जल्द से जल्द हटाने की मांग की है.

उन्होंने मुख्याधिकारी को बताया कि शासन के अधिकृत अनुमति के अनुसार शहर में केवल 25 अधिकृत होर्डिंग्स की अनुमति है. लेकिन शहर में इससे ज्यादा दर्जनों अवैध होर्डिंग्स लगाए गए हैं जो कि शहर की सुंदरता को बाधित कर रहे हैं. कुछ बड़े होर्डिंग्स शहर की जनता के लिए धोखा बन गए हैं जो कि कभी भी गिर कर कई लोगों की जाने ले सकता है. इसलिए इन अवैध होर्डिंगक्स को हटाकर संबंधितों पर कार्रवाई करने की मांग यश जाधव ने की है. उन्होंने और उनके कार्यकर्ताओं ने नपा को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ये होर्डिंग्स हटाए नहीं गए तो वह नपा के समक्ष अनशन पर बैट जाएंगे. अंबरनाथ में शिवाजी चौक, फारेस्ट नाका, पालेगांव व अन्य स्थानों पर अवैध बड़े होर्डिंग्स को तुरंत हटाने की मांग यश जाधव ने की है. यश के साथ पूर्व नगरसेवक नासिर कुंजाली, वाई.जे. ग्रुप के फारुक आदि उपस्थित थे.

कल्याण-डोंबिवली की 58 अवैध इमारतों को राहत

■ हाईकोर्ट ने मनपा की तोड़ कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगाई

मुंबई: उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कल्याण-डोंबिवली मनपा (केडीएमसी) की सीमा के भीतर 58 अवैध इमारतों को हटाने और ध्वस्त करने पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी, जिनका निर्माण फर्जी दस्तावेजों के आधार पर महारेरा प्राधिकरण की अनुमति से किया गया था। अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि जिन भवनों ने अभी तक अपने निर्माण के नियमितीकरण के लिए आवेदन नहीं किया है, वे कानून के अनुसार एक सप्ताह के भीतर मनपा में आवेदन कर सकते हैं, जिससे इस भवन में रहने वाले लोगों को फिलहाल कार्रवाई से राहत मिल गई है।.

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित

बोरकर की खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि मनपा निर्माण नियमितीकरण के लिए लंबित आवेदनों पर तुरंत सुनवाई कर निर्णय ले। साथ ही पीठ ने मनपा को 3 फरवरी को विस्तृत ब्यौरा पेश करने का भी आदेश दिया कि कानूनी दायरे में कौन सी इमारतों का निर्माण किया जा सकता है और कौन सी नहीं। अदालत ने वास्तुकार संदीप पाटिल द्वारा दायर जनहित याचिका पर आदेश जारी करते हुए तीन महीने के भीतर इन 58 अवैध इमारतों को हटाने और ध्वस्त करने का आदेश दिया था। इसके बाद मनपा ने इन इमारतों को खाली कराने और ध्वस्त करने के संबंध में नोटिस जारी किए। पिछले महीने चार सोसायटियों ने मनपा की इस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। साथ ही दावा किया कि हमने घर तभी खरीदा जब परियोजना को RERA की अनुमति प्राप्त होने के बाद पंजीकृत किया गया। साथ ही, इन समाजों ने कार्रवाई से राहत की मांग करते हुए कहा था कि उनके साथ इस सबमें अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। सोसायटियों ने अदालत को यह भी बताया कि भवन के निर्माण को नियमित करने के लिए मनपा में आवेदन किया गया है और यह लंबित है। इस सबका गंभीरता से संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने आदेश दिया कि अवैध भवनों पर 3 फरवरी तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई न की जाए, लेकिन जिनके निर्माण नियमितीकरण के आवेदन लंबित हैं। साथ ही, मनपा को केवल कानून के दायरे में आने वाले निर्माणों को ही नियमित करने का आदेश देते हुए अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि यह राहत केवल उन याचिकाकर्ताओं तक ही सीमित है, जिन्होंने कार्रवाई के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

नागपुर के शीतकालीन सत्र में उठा मुद्दा

बदलापुर में किसानों और भूस्वामियों ने भी इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया था। लेकिन स्थिति अभी भी वही है। इस पृष्ठभूमि में अब विधान परिषद शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने इस मुद्दे का समाधान खोजने की पहल की है। हाल ही में संपन्न नागपुर के शीतकालीन सत्र में उन्होंने गलत तरीके से डिजाइन की गई उल्हास नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा का पुनः सर्वेक्षण कराने की मांग की थी। सभापति ने कहा था कि इसका लिखित उत्तर दिया जाएगा। हालांकि, ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने कहा कि उन्हें उस समय लिखित जवाब नहीं मिला था, क्योंकि तब तक मंत्रियों को विभाग आवंटित नहीं किए गए थे। इस मसले का समाधान निकालने के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के माध्यम से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण रेखा के दोबारा सर्वे की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने स्पष्ट किया कि इस बैठक में उल्हास नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा के मुद्दे का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

मेडिकल कॉलेज की सीटें रह जा रही खाली

देश में एक ओर चिकित्सकों की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है, तो दूसरी ओर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाती हैं। यह मुद्दा अक्सर अदालतों में उठता रहा है। दाखिले से वंचित छात्र भी गुहार लगाते रहे हैं। अब शीर्ष अदालत को स्पष्ट रूप से कहना पड़ा है कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में सीटें खाली नहीं रह सकतीं। इस बार 'सुपर स्पेशियलिटी' संकाय में सीटें खाली रह जाने का मामला सामने आया है।

सवाल है कि ऐसी नौबत हर वर्ष क्यों आती है। पिछले वर्ष भी शीर्ष अदालत ने इस पर चिंता जताई थी। तब केंद्र ने हल निकालने की कोशिश की थी और हितधारकों वाली समिति भी बनाई थी। मगर इसका क्या नतीजा निकला? क्या 'नेशनल मेडिकल काउंसिल' की दाखिला नीति में कोई खामी है। प्रति वर्ष चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए बड़ी संख्या में छात्र प्रवेश परीक्षाएं देते हैं।

मगर कई दौर की काउंसलिंग के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि क्या विद्यालयों में गुणवत्ता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को नहीं मिल रही। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद में कोई कमी रह गई है? इस पर विचार की आवश्यकता है। यह दुखद है कि विद्यालयों में उतनी योग्य प्रतिभाएं भविष्य के लिए तैयार नहीं हो पा रहीं, जितनी देश को जरूरत है।

पिछले साल भी चिकित्सा पाठ्यक्रम में कई सीटें खाली रह गई थीं। यह स्थिति एक तरह से इससे संबंधित नीतियों पर सवालिया निशान है। दूसरी ओर, निजी मेडिकल कालेज जिस तरह से बड़ी रकम लेकर अपनी सीटें भरते हैं, उससे कई गरीब प्रतिभाशाली विद्यार्थी अवसर से वंचित रह जाते हैं। बहुत सारे अभिभावक ऊंची फीस की वजह से अपने बच्चों की मेडिकल की पढ़ाई नहीं करा पाते।

इसके अलावा, कायदे से देखें तो चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाना इस तथ्य का भी सूचक है कि स्कूल से लेकर कालेजों तक में पढ़ाई-लिखाई की गुणवत्ता इस स्तर की नहीं है कि वहां से योग्य विद्यार्थी तैयार होकर इसमें दाखिले की कोशिश करें। स्वास्थ्य की समग्र तस्वीर को देखते हुए देश को सुयोग्य और विशेषज्ञ चिकित्सकों की बेहद जरूरत है। ऐसे में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाना सरकार की बड़ी विफलता है।

डाटा संरक्षण अधिनियम से सबको मिलेगा फायदा

'जब हम विश्व के भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ये शब्द लोगों को सर्वोपरि रखने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इस दर्शन ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियम, 2025 के मसौदे को आकार देने में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन किया है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 लागू हो जाएगा, जो नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा।

भारतीय नागरिक ही डीपीडीपी नियम, 2025 के केंद्र में हैं। डाटा के बढ़ते वर्चस्व वाली दुनिया में हमारा मानना है कि व्यक्तियों को शासन की रूपरेखा के केंद्र में रखना अनिवार्य है। ये नियम नागरिकों को कई अधिकारों से सशक्त बनाते हैं, जैसे सूचना आधारित सहमति, डाटा मिटाने की सुविधा और डिजिटल रूप में नामांकित व्यक्ति को नियुक्त करने की क्षमता आदि।

नागरिक अब उल्लंघनों या अनधिकृत डाटा उपयोग के सामने असहाय महसूस नहीं करेंगे। उनके पास अपनी डिजिटल पहचान को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखने के उपाय होंगे। इससे संबंधित नियमों को सरलता एवं स्पष्टता के साथ तैयार किया गया है। इसमें सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय, चाहे उनके पास तकनीकी ज्ञान कुछ भी हो, अपने अधिकारों को समझ सकता है और उनका प्रयोग कर सकता है।

सहमति स्पष्ट शब्दों में मांगी

जाती है तथा नागरिकों को अंग्रेजी या संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी में भी जानकारी देना अनिवार्य बनाया है। यह रूपरेखा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आज के इस डिजिटल युग में बच्चों की विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसे मान्यता देते हुए नियम नाबालिगों के व्यक्तिगत डाटा का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सत्यापन योग्य सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बच्चों को शोषण, अनधिकृत प्रोफाइल बनाने और अन्य डिजिटल नुकसान से बचाव सुनिश्चित करते हैं। ये प्रविधान भविष्य की पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल परिदृश्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक वैश्विक सफलता की गाथा रही है और हम इस गति को बनाए रखने के प्रति दृढ़ हैं। हमारी रूपरेखा डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार को सक्षम करते हुए नागरिकों के लिए व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

विनियमन पर बहुत अधिक जोर देने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों के विपरीत हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक और विकासोन्मुखी है। यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि नागरिकों की सुरक्षा की जाए और नवाचार भावना को दबाया न जाए, जो हमारे स्टार्टअप और व्यवसायों को प्रेरित करती है। नई व्यवस्था से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। हितधारकों की अलग-अलग क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए नियमों को वर्गीकृत जिम्मेदारियों के साथ डिजाइन किया गया है। डाटा विश्वास के मूल्यांकन के आधार पर बड़ी कंपनियों के पास बड़े दायित्व होंगे, जो विकास को बाधित किए बिना जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे।

इन नियमों के मूल में 'डिजाइन से डिजिटल' दर्शन है। डाटा सुरक्षा बोर्ड मुख्य रूप से एक डिजिटल कार्यालय के रूप में कार्य करेगा, जिसे शिकायतों का समाधान करने और अनुपालन लागू करने का काम सौंपा गया है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हम दक्षता, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हैं। नागरिक शारीरिक उपस्थिति के बिना भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके हम बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन और नागरिकों के लिए जुड़ना आसान बनाते हैं, जिससे प्रणाली में विश्वास बढ़ता है।

इन नियमों की यात्रा उनके अभिप्राय जितनी ही समावेशी रही है। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के सिद्धांतों पर आधारित, मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

संसार में शांति लाने के लिए, हमें पहले स्वयं शांत होना होगा। ऐसा हम ध्यानाभ्यास के द्वारा कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारत के प्रति चीन का दोतरफा चेहरा

पिछले कुछ समय से भारत और चीन के बीच जब से संवाद की प्रक्रिया ने तेजी पकड़ी है, तब से यह माना जाने लगा है कि कड़वाहट और टकराव के लंबे दौर से आगे निकलते हुए अब दोनों देशों के बीच संबंध पटरी पर आ सकते हैं। खासतौर पर सीमा पर शांति के मुद्दे पर जिस स्तर की सहमति बनी और उस ओर कदम उठाए जाने के भी संकेत आए, तब यह उम्मीद बंधी कि शायद जटिल मसलों के दीर्घकालिक समाधान की राह खुल सकती है।

मगर औपचारिक बैठकों के बरक्स जमीनी स्तर पर हर थोड़े समय के बाद चीन की ओर से कोई न कोई ऐसी गतिविधि शुरू हो जाती है, जिससे उसकी मंशा का पता चलता है। खासतौर पर सीमा पर पांव पसारने को लेकर चीन इस हद तक सक्रिय दिखता है, जो किसी अन्य देश की संप्रभुता के लिहाज से संवेदनशील हो सकता है। सवाल है कि अगर चीन भारत के साथ संबंधों को सहज बनाने और जटिल मसलों के हल के लिए संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया की ओर बढ़ना चाहता है, तो जमीनी स्तर पर उसकी गतिविधियां इससे उलट क्यों दिखती हैं।

दरअसल, हाल में चीन के दो फैसलों ने भारत के सामने यह चिंता पैदा कर दी है कि अगर ऐसा वास्तव में होता है तब चीन से उम्मीद करने की क्या सूरत बचेगी और पहले से ही जटिल मसले और किस दिशा की ओर बढ़ेंगे। गौरतलब है कि चीन ने लद्दाख क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों पर प्रकारांतर से अधिकार जताते हुए दो नए प्रशासनिक काउंटी बनाने का एकतरफा फैसला लिया है। यह एक तरह से

भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ है, जिसका आपसी संबंधों पर दूरगामी असर पड़ सकता है।

स्वाभाविक ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन के फैसले पर 'अवैध कब्जे' का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ सख्त विरोध दर्ज कराया है। मंत्रालय की ओर से यह साफ शब्दों में कहा गया है कि हालांकि चीन के नए काउंटी बनाने से न तो क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के संबंध में दीर्घकालिक और सतत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा, न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। जाहिर है, भारत का पक्ष इस मसले पर बिल्कुल स्पष्ट है। मगर इसके बावजूद चीन के भीतर विस्तारवाद की कैसी भूख है कि वह गलत तरीके पड़ोसी देशों की सीमा में जबरन अपने पांव फैलाना चाहता है।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन बना रहा पुल

इससे पहले चीन ने तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर जो विशाल बांध बनाने की घोषणा की है, वह एक तरह से पानी को हथियार बना कर भारत को नियंत्रित करने की उसकी छिपी मंशा ही दर्शाता है। इस बांध को लेकर भी भारत की चिंता स्वाभाविक है, क्योंकि यह चीन को नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करने की शक्ति देता है। इसके अलावा, यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि अगर कभी शत्रुता की स्थिति बनी तो चीन बड़ी मात्रा में पानी छोड़ कर सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा भी पैदा कर सकता है।

हैरानी की बात यह है कि चीन की ओर से इस तरह की हरकतें तब सामने आ रहीं हैं, जब दोनों देशों ने करीब साढ़े चार साल से सीमा पर जारी गतिरोध और उसके मुद्दों के समाधान के लिए ठोस राह पर कदम बढ़ाने का फैसला किया था। उम्मीद इसलिए भी बंध रही थी कि आपसी सहमति के बाद सीमा पर टकराव वाले क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी भी सुनिश्चित की जा रही थी। ऐसे में चीन भारतीय क्षेत्र में नाहक दखल देने की अपनी कोशिश को किस पैमाने से उचित ठहरा सकता है?

रात में ही होता है किन्नरों का अंतिम संस्कार

जरा हट के

किन्नरों की दुनिया आम आदमी से हर मायने में अलग होती है. ये वो लोग हैं, जो ना स्त्री हैं और ना ही पुरुष. इन्हें थर्ड जेंडर कहा जाता है. ये वो होते हैं, जो हमारी हर खुशी में शामिल होने पहुंच जाते हैं. हमारे लिए दुआएं देते हैं. हिंदू धर्म में तो माना जाता है कि किन्नरों की दुआओं में बहुत शक्ति होती है. लेकिन इन किन्नरों की जिंदगी के बारे में बहुत कम ही जानकारी मिल पाती है. लेकिन आज हम आपको इनके अंतिम संस्कार से जुड़ी चौंकाने वाली परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे. क्या कभी सोचा है आपने कि मरने के बाद इन किन्नरों का अंतिम संस्कार कैसे होता है? इनके शवों को जूते से क्यों मारा जाता है और रात में ही अंतिम संस्कार क्यों होता है? अगर नहीं जानते हैं, तो आइए हम आपको इस बारे में बतलाते हैं. दरअसल, किन्नरों की मौत के बाद उनके अंतिम संस्कार

को गोपनीय रखा जाता है, ताकि कोई गैर-किन्नर उसे देख न सके. इसलिए अक्सर रात में ही उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाती है. ऐसा माना जाता है कि अगर किसी किन्नर के अंतिम संस्कार को आम इंसान देख ले, तो मरने वाले का जन्म फिर से किन्नर के रूप में ही होगा. बताया जाता है कि शवयात्रा के दौरान भी किन्नरों की डेड बॉडी को चार कंधों पर लिटाकर ले जाने की जगह शव को खड़ा करके अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाता है. उनके शव को सफेद कपड़े में लपेट दिया जाता है, जिसका मतलब होता है कि मृतक का अब इस शरीर और इस दुनिया से कोई नाता नहीं रहा. इसके अलावा उनके मुंह में पवित्र नदी का पानी डालने का भी रिवाज है. इसके बाद ही शव को दफनाया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि शव दफनाने के दौरान अगर कोई आम इंसान उसे देख लेता है तो किन्नर उसकी पिटाई भी करते हैं.

किन्नरों के बारे में कहा जाता है कि मरने से ठीक पहले उन्हें अपनी मौत का अहसास हो जाता है. ऐसे में वे खाना-पीना बंद कर देते हैं. घर से बाहर भी नहीं निकलते हैं. वे पूरी तरह से इस दौरान ईश्वर की भक्ति में लीन हो जाते हैं और दुआ मांगते हैं कि हे प्रभु, इस जन्म में किन्नर तो हुए, लेकिन अगले जन्म में हमें किन्नर न बनाएं.

ऑफिस में ब्रेन रिचार्ज करने के लिए अपनाएं 9 टिप्स

आज के स्ट्रेसफुल वर्क एंवायरनमेंट में, ऑफिस में मानसिक थकान एक आम समस्या बन गई है। लगातार काम के दबाव, डेडलाइन और अलग-अलग जिम्मेदारियों के तले हमारा दिमाग दब जाता है, जिसकी वजह से Mental Fatigue भी हो सकता है। इसके कारण काम करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है और प्रोडक्टिविटी धीरे-धीरे कम होने लगती है। इतना ही नहीं, मेंटल थकान धीरे-धीरे शारीरिक समस्याओं की वजह भी बन सकता है, लेकिन चिंता न करें, कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप इस थकान को कम कर सकते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकते हैं।

■ क्यों होती है ऑफिस में मानसिक थकान?

लगातार काम का दबाव- लगातार काम करने से हमारा दिमाग थक जाता है और हमारा फोकस कम हो जाता है।

मल्टीटास्किंग- एक साथ कई काम करने से दिमाग पर ज्यादा बोझ पड़ता है और हमारी प्रोडक्टिविटी कम हो जाती है।

डेडलाइन का दबाव- समय सीमा के दबाव में काम करने से तनाव बढ़ता है और मानसिक थकान होती है।

कम नींद- पूरी नींद न लेने से हमारे दिमाग के काम करने की क्षमता कम हो जाती है।

अनहेल्दी खानपान- अनहेल्दी खानपान से शरीर को भरपूर पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे हम थका हुआ महसूस करते हैं।

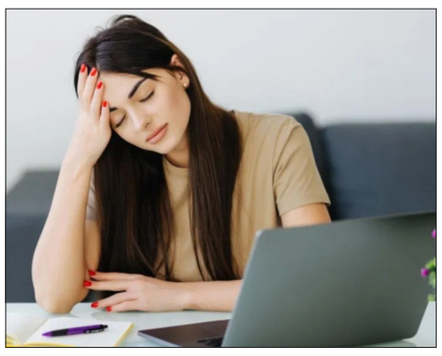

■ ऑफिस में मानसिक थकान से राहत पाने के टिप्स

ब्रेक लें- काम के बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें। कुछ मिनट के लिए अपनी जगह से उठकर थोड़ा चलें, खिड़की से बाहर देखें या गहरी सांस लें।

ध्यान और योग- ध्यान और योग करने से तनाव कम होता है और दिमाग शांत होता है। आप ऑफिस में ही कुछ मिनट के लिए मेडिटेशन कर सकते हैं।

पानी पिएं- शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं। डिहाइड्रेशन से थकान और सिरदर्द हो सकता है।

हेल्दी खाएं- बैलेंस्ड डाइट लें जिसमें फलों, सब्जियों और प्रोटीन शामिल हों। ये फूड आइटम्स आपके दिमाग को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

काम को प्रायोरिटी दें- सभी कामों को एक साथ करने की कोशिश न करें। सबसे जरूरी कामों को पहले पूरा करें और फिर बाकी कामों को करें।

डिजिटल डिटॉक्स- काम के समय सोशल मीडिया और अन्य डिस्ट्रैक्शन से दूर रहें। ये आपको काम पर फोकस करने में मदद करेंगे।

अच्छी नींद लें- रात को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। पूरी नींद लेने से आप अगले दिन तरोताजा महसूस करेंगे।

फिजिकल एक्टिविटी- नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से तनाव कम होता है और आपका मूड बेहतर होता है।

म्युजिक सुनें- काम के दौरान हल्का संगीत सुनने से आपका मूड अच्छा होगा और आप स्ट्रेस-फ्री महसूस करेंगे।

दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं- काम के बाद दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने से आपका मन शांत होगा।

हेल्दी क्रीमी ग्रीन पास्ता

खाना-खजाना

पेरेंट्स बच्चों को हेल्दी चीजें खिलाने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन फिर भी बच्चे बर्गर, पिज्जा और पास्ता जैसी चीजों को खाना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आपके बच्चे पास्ता खाने की डिमांड करते हैं तो आप उनके लिए टेस्टी और हेल्दी पास्ता बनाकर खिला सकते हैं। यहां पर हम क्रीमी ग्रीन पास्ता बनाने का तरीका बता रहे हैं। जो पूरी तरह से हेल्दी और टेस्टी भी है। ये पास्ता बड़ों को भी खूब पसंद आएगा। देखिए, ग्रीन पास्ता बनाने का तरीका-

सामग्री :

- एक कप पेने पास्ता
- 1 कप हरी मटर
- 100 ग्राम पनीर
- 1 कप दूध
- 1 चम्मच ओट्स पाउडर
- दो चम्मच कद्दूकस चीज
- 7-8 लहसुन की कलियां
- जैतून का तेल
- नमक
- चिली फ्लेक्स
- ऑरिगेनो

कैसे बनाएं :

इस पास्ता को बनाने के लिए

एक पैन में पानी डालें और उबाल आने पर 1 कप गेहूं या सूजी पास्ता डालें। फिर जब ये 80 प्रतिशत पक जाए तो छान लें और पास्ता को एक तरफ रख दें। इस पर थोड़ा जैतून का तेल डालें। और एक तरफ रख दें। अब एक पैन में 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल डालें फिर इसमें 7-8 लहसुन की कलियां डालें और तब तक भूनें जब तक कि इसका रंग न बदलने लगे। फिर इसमें 1 कप हरी मटर और नमक डालें। फिर मटर के नरम होने तक पकाएं। और इसमें पनीर डालें और भूनें। इसे ठंडा करें, फिर थोड़ा पानी और नमक डालकर ब्लेंडर में डालें और मुलायम होने तक ब्लेंड करें। फिर एक पैन में 1 चम्मच जैतून का तेल और ब्लेंड किया पास्ता सॉस डालें और इसमें चिली फ्लेक्स-ऑरिगेनो डालें। भूनने के बाद 1 चम्मच ओट्स पाउडर और 1 कप दूध मिलाएं। फिर चीज डालें और उबले हुए पास्ता को इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें।गर्मागर्म सर्व करें।

ठंड-पॉल्यूशन बढ़ा रहा स्किन प्रॉब्लम

- बचने के लिए 5 उपाय करें फॉलो
- गंभीर परेशानियों से होगा बचाव

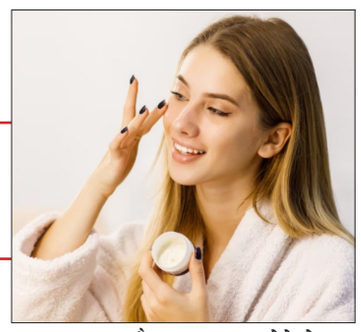

सर्दियों का मौसम अपने पूरे सितम पर हैं. ठंड अपने साथ तमाम परेशानियों को लेकर आता है. इस मौसम में इंसान को ठंड की मार के साथ एयर पॉल्यूशन का कहर भी झेलता पड़ता है. ये दोनों ही चीजें हमारी स्किन के लिए नुकसानदायक होती हैं. डॉक्टर्स की मानें तो सर्दियों में गिरता तापमान और प्रदूषण त्वचा पर दोहरी मार करता है. तापमान कम होने से हवा शुष्क यानी ड्राई हो जाती है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है. दूसरी तरफ हवा में मौजूद प्रदूषक तत्व भी त्वचा को नुकसान पहुंचाकर झुर्रियां, दाग-धब्बे और अन्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं. अब सवाल है कि आखिर सर्दियों में ठंड और पॉल्यूशन से स्किन को कैसे बचाएं? इस बारे में News18 को बता रहे हैं बहराइच के जनरल फिजिशियन एवं त्वचा रोग चिकित्सक डॉ. राहुल चौधरी-

■ हाइड्रेशन लेवल मैंटेन रखना जरूरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में आपकी त्वचा का रूखापन इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी स्किन का नेचुरल मॉइस्चर लेवल क्या है. जिनकी ड्राई स्किन है, उन्हें सर्दियों में अपना मॉइस्चर लेवल सही रखने की जरूरत होती है. इसके लिए शरीर का हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रखना जरूरी होता है. सर्दियों के मौसम में एक्जिमा, स्किन में ड्राई पैचेस बनकर खुजली होने लगती है और पानी निकलने लगता है.

सर्दी में स्किन को डैमेज से बचाने के उपाय

- **खुद को हाइड्रेट रखें :** ठंड के मौसम में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं. पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है, जिससे त्वचा भी हाइड्रेट रहती है. सर्दियों में रोज कम से कम 2-3 लीटर पानी पीना चाहिए.
- **क्लींजर का यूज करें :** सर्दियों में क्लींज़र का इस्तेमाल करें. सर्दियों में त्वचा बहुत संवेदनशील हो जाती है. इसलिए सौम्य क्लींज़र का इस्तेमाल करें, जिससे त्वचा को नुकसान न पहुंचे.
- **मॉइस्चराइजर का यूज :** सर्दियों में त्वचा को मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है. मॉइस्चराइजर त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे रूखा होने से बचाता है.
- **सनक्रीन का यूज :** सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें. गर्मियों की तरह सर्दियों में भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है. सनस्क्रीन सूर्य की हानिकारक किरणों से त्वचा को बचाता है.
- **हेयर मास्क का यूज :** बालों को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें. बालों को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें. बालों को पॉल्यूशन से बचाने के लिए हेयर मास्क का प्रयोग करें.

गुडहल की चाय में सेहत का खजाना

गुड़हल से बनी चाय को पीने से सर्दी तो दूर भागती ही है लेकिन कई तरह की बीमारियां भी परेशान नहीं करती हैं. गुड़हल की चाय को गर्म और ठंडा दोनों तरीके से पिया जा सकता है. यह नेचुरल चाय कैफीन फ्री होती है और इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं.

कम कैलोरी के साथ कैल्शियम भी

गुड़हल का पेड़ गर्म प्रदेशों में उगता है और इस पर लाल रंग के फूल आते हैं जिसे calyx कहते हैं. इसी से चाय बनती है. दुनिया के कई देशों में इसे ड्रिंक के अलावा दवा की तरह इस्तेमाल किया जाता है. यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के अनुसार 237 ग्राम गुड़हल की चाय में कम कैलोरी के साथ ही कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम और पॉलीफेनोल होता है. पॉलीफेनोल नाम के केमिकल से ही यह चाय एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है.

हर मौके को खास बनाती गुड़हल की चाय

गुड़हल की चाय सबसे पहले अफ्रीका में बनाई गई. यह पश्चिमी अफ्रीका के देश रिपब्लिक ऑफ सेनेगल नाम के देश की नेशनल ड्रिंक है. इसे मिंट या जिंजर फ्लेवर में पिया जाता है. घाना में इसे सोबोलो कहते हैं जबकि नाइजीरिया में इसे जोबो कहा जाता है. इसे गर्म या बर्फ डालकर दिया जाता है. मिस्र और सूडान में शादी के जश्न में गुड़हल की चाय ही खुशी में बांटी जाती है. सूडान में इसका इस्तेमाल दवा के तौर पर भी होता है. जमैका में इसे क्रिसमस के दिन फ्रूट केक या स्वीट पोटैटो पुडिंग के साथ सर्व किया जाता है. चाइनीज न्यू ईयर के दिन इसे खासतौर पर पिया जाता है. यही नहीं त्रिनिदाद और टोबैगो में इस चाय को बियर के साथ मिक्स करके सर्व किया जाता है.

आज का राशिफल

मेष : आज भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। प्रॉपर्टी के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ : पारिवारिक यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें।

मिथुन : आज नौकरीपेशा की व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा। अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। खुद को शारीरिक कष्ट संभव है। किसी सदस्य को लेकर चिंता रहेगी। समाज में कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह : आज शत्रु शांत बने रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

तुला : अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : आज का दिन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता वाला रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग को शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु : आज कार्य को लेकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होने से बॉस खुश रहेंगे। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर : व्यापारिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। किसी बात को लेकर भय बना रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कुंभ : नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य नहीं होंगे। अधिकारी वर्ग की नाराजी झेलना पड़ेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। व्यापार में आज मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

मीन : आज कारोबारी लाभ में धन की वृद्धि होगी। नौकरी में शांति बनी रहेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। परिवार में कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। अपने विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्यार में मिली सजा-ए-मौत: प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला

फतेहपुर. फतेहपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक युवक को प्यार में जान गंवानी पड़ी। दरअसल मुंबई से घर लौटे युवक की प्रेमिका के घरवालों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। फिर 500 मीटर दूर जंगल में ले जाकर एक सूखे कुएं में शव फेंक दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। ये घटना थरियांव क्षेत्र का है। असोधर थाने के विधातीपुर का रहने वाला 28 साल का महेंद्र कुमार उर्फ छोटू मुंबई में रहकर काम कर रहा था। शुक्रवार को वह मुंबई से घर लौट रहा था। युवती के घरवालों को इसकी भनक लग गई। शनिवार रात थरियांव में एक बैग पड़ा देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बैग से मिले पहचान पत्र के आधार पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।

42 लाख के चक्कर में युवती ने गंवाए डेढ़ लाख रुपये, सदमे में जहर खाकर कर ली आत्महत्या

सहारनपुर. सहारनपुर में साइबर ठगी का शिकार युवती ने जहर खाकर जान दे दी। ठगों ने कॉल करके 42 लाख की लॉटरी निकलने का झांसा दिया था। फिर युवती से डेढ़ लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए थे। ये घटना चिलकाना क्षेत्र के मोहल्ला हामिद हसन का क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक खुर्शीद की 26 साल की बेटी रानी के पास कुछ दिन पहले एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने रानी को बताया कि उसकी 42 लाख की लॉटरी निकली है। यह रुपये लेने के लिए उसे 1.50 लाख रुपये जमा करने होंगे। आरोपी ने रानी को एक एकाउंट नंबर दिया। साथ ही उसका भी खाता नंबर ले लिया। रानी जालसाजों की बातों में आ गई और रिश्तेदारों और पड़ोसियों से उधार लेकर डेढ़ लाख रुपये दिए हुए एकाउंट में जमा कर दिए। इसके बाद ठग ने युवती के भाई के मोबाइल पर 42 लाख की एक जमा कराए जाने की फर्जी रसीद भेज दी। जब युवती बैंक जाकर एकाउंट चेक किया तो उसके पास कोई पैसा नहीं आया था। इस बात से आहत होकर युवती ने शनिवार की रात जहर खाकर जान दे दी।

प्राचीन धातु की 3 मूर्तियां चुरा ले गए चोर

श्रावस्ती. यूपी के श्रावस्ती स्थित राम जानकी मंदिर में चोरों ने अपना हाथ साफ कर दिया। चोर मंदिर से राम, सीता व लक्षण भगवान की मूर्तियां चोरी कर ले गए। सुबह के समय जब पुजारी मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंचे मूर्तियां गायब देखकर दंग रह गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मंदिर के अंदर जाकर जांच पड़ताल की। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के लक्ष्मनपुर बाजार में राम जानकी मंदिर बनी हुई है। मंदिर में श्रीराम, माता सीता, भगवान लक्ष्मण सहित 3 मूर्ति है रविवार देर शाम को मंदिर के पुजारी पूजा पाठ करने के बाद मंदिर के गेट पर ताला बंद कर घर चले गए।

कोरोना जैसे चीनी वायरस का भारत में तीसरा केस

कर्नाटक में 8 और 3 महीने के बच्चे संक्रमित, गुजरात में 2 महीने का बच्चा पॉजिटिव

नई दिल्ली. चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस HMPV का भारत में तीसरा केस मिला है। अहमदाबाद में सोमवार को 2 महीने के बच्चे में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) का संक्रमण मिला। इससे पहले, सोमवार सुबह कर्नाटक में 3 महीने की बच्ची और 8 महीने के बच्चे में यह वायरस मिला था। दोनों बच्चों की जांच बेंगलुरु के एक अस्पताल में की गई थी।

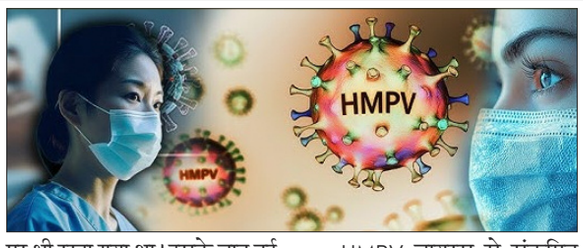

गुजरात का बच्चा पहले से बीमार

गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उसे बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। शुरुआती 5 दिन उसे तक वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई जांचों में वायरस के संक्रमण का पता चला।

कर्नाटक के दोनों केस के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई।

HMPV वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

वायरस से जुड़े अपडेट्स...

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, दो बच्चों में वायरस की पुष्टि हुई है। ये देखकर मैंने तुरंत कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव से बात की। सरकार इस वायरस को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, यह कोई वायरस नहीं है। HMPV एक फ्लू वायरस है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हम अपने पैनल के साथ बैठक कर रहे हैं। इस पर भारत सरकार और ICMR से चर्चा करेंगे।

चीन में HMPV के बढ़ते मामलों के बीच इमरजेंसी जैसे हालात बनने की बात कही गई थी। हालांकि भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि फ्लू के मौसम को देखते हुए चीन की स्थिति असामान्य नहीं है और सरकार इनसे निपटने के लिए तैयार है-

आप इन तरीकों से एचएमपीवी के जोखिम को कम कर सकते हैं...

1. आपको कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिए।
2. आप अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल शुरू कर दें।
3. खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक ढकना ना भूलें।
4. मास्क पहनना शुरू करें और जो लोग बीमार हों उनके संपर्क में ना आएं।
5. हाथ धोए बिना अपनी आंखों, नाक और मुंह को छूने से बचना होगा।
6. अगर आप बीमार हों तो खुद को अलग-थलग रखने की कोशिश करें।
7. फेफड़ों की बीमारी वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्क रहना चाहिए।

एचएमपीवी के कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण

एचएमपीवी से संक्रमण के लक्षण भी कोरोना वायरस जैसे ही है। हालांकि, एचएमपीवी के लक्षण गंभीरता को लेकर कुछ अलग हो सकते हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि इससे संक्रमित खांसी, बुखार, नाक बहना या बंद होना और गले में खराश की शिकायत करते हैं। कुछ लोगों को घरघराहट और सांस लेने में तकलीफ (डिस्पेनिया) भी हो सकती है। कुछ मामलों में यह भी सामने आया है कि संक्रमण के हिस्से के रूप में दाने निकल आते हैं।

दिल्ली CM आतिशी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रो पड़ीं

कहा- मेरे पिता को गालियां दीं; भाजपा नेता बिधूड़ी ने कहा था- आतिशी ने बाप बदल लिया

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सोमवार को भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बयान का जवाब देते हुए रो पड़ीं। आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि रमेश बिधूड़ी मेरे 80 साल के पिता को गाली दे रहे हैं। क्या आप चुनाव के लिए इतनी गंदी राजनीति करेंगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस देश की राजनीति इतनी गिर सकती है।

आतिशी ने कहा- मैं रमेश बिधूड़ी से कहना चाहती हूं, मेरे पिता पूरी जिंदगी शिक्षक रहे हैं। उन्होंने हजारों गरीब बच्चों को पढ़ाया है। अब उनकी उम्र 80 साल हो चुकी है और वे इतनी गंभीर स्थिति में हैं कि बिना सहारे चल भी नहीं सकते। रमेश बिधूड़ी अब ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि एक बुजुर्ग व्यक्ति को गालियां देकर वोट मांग रहे हैं।

दरअसल, दिल्ली से भाजपा कैंडिडेट रमेश बिधूड़ी ने रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी

को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि आतिशी ने अपना बाप बदल लिया है। वे मार्लेना से सिंह बन गई हैं। भाजपा ने कालकाजी से आतिशी के खिलाफ बिधूड़ी को ही टिकट दिया है।

बिधूड़ी के बयान पर AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने X पर कहा कि बीजेपी के नेताओं ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दीं। बीजेपी के नेता दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री का अपमान दिल्ली की जनता सहन नहीं करेगी।

बच्चों को जहर देकर कपल ने सुसाइड किया

- फंदे पर लटके मिले पति-पत्नी के शव
- मेड के आने पर हुआ घटना का खुलासा

बेंगलुरु. बेंगलुरु में सोमवार को एक ही परिवार 4 लोगों के शव घर से बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक पति-पत्नी ने पहले बच्चों को जहर दिया। इसके बाद फांसी लगा ली। यूपी के प्रयागराज का रहने वाला अनूप कुमार (38), पत्नी राखी (35), बेटी अनुप्रिया (5) और बेटा प्रियांश (2) के साथ रहता था। अनूप निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट था।

सोमवार सुबह उनके घर काम करने वाली महिला आई हुई थी। उसने बेल बजाई, लेकिन अनूप के घर दरवाजा नहीं खुला। उसने पड़ोसियों को बताया।

उन लोगों ने भी कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने पर दरवाजा खोला गया।

पुलिस के मुताबिक अनूप और राखी के शव फांसी के फंदे पर लटके थे। दोनों बच्चों के शव जमीन पर थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घर

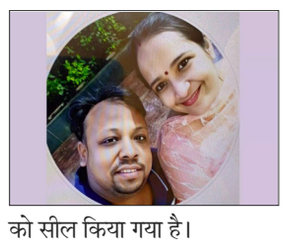

को सील किया गया है।

पड़ोसी बोले- बेटी के कारण परेशान थे अनूप और राखी

पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि अनूप और राखी की बड़ी बेटी अनुप्रिया का स्वास्थ ठीक नहीं रहता था। उसे विशेष देखभाल की जरूरत पड़ती थी। अनूप ने तीन लोगों को काम पर रखा था। इनमें दो खाना बनाने वाले और एक बच्चों की देखभाल करने के लिए। सभी को हर महीने 15 हजार सैलरी देता था।

पुडुचेरी जाने वाले अनूप और राखी

पड़ोसियों के मुताबिक अनूप और राखी बच्चों को लेकर पुडुचेरी जाने की तैयारी में थे। उन लोगों ने इसकी तैयारी भी कर ली थी। रविवार को उन लोगों ने सारा सामान भी पैक कर लिया था।

छत्तीसगढ़ पत्रकार मौत केस - पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर 15 निशान

लिवर के 4 टुकड़े, गर्दन टूटी और हार्ट फटा मिला; आरोपी ठेकेदार हैदराबाद से गिरफ्तार

बीजापुर. छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड सुरेश चंद्राकर गिरफ्तार हो गया है। चंद्राकर को स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (SIT) ने 5 जनवरी की देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार किया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

आरोपी सुरेश, पत्रकार मुकेश चंद्राकर का चचेरा भाई है। मामले में सुरेश के 3 सगे भाइयों समेत 4 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। मुकेश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के 15 निशान मिले थे। कितनी बुरी तरह हत्या की गई, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि लिवर के 4 टुकड़े मिले, गर्दन टूट गई और हार्ट फट गया था। 5 पसलियां भी टूटी हुई थीं।

पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक दो या दो से अधिक लोगों ने मुकेश की हत्या की है। मुकेश के शरीर पर इतना तेज वार किया गया है कि शरीर के कई अंग जख्मी हो गए। मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर ने बताया कि उन्होंने 12 सालों में कभी ऐसा केस नहीं देखा।

मुकेश चंद्राकर मर्डर केस के मास्टर माइंड ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से SIT की टीम ने गिरफ्तार किया है।

बैडमिंटन कोर्ट परिसर में करवाई हत्या

सुरेश चंद्राकर पेशे से ठेकेदार है और राजनीति से भी जुड़ा हुआ है। आरोप है कि मुकेश चंद्राकर ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार की खबर बनाई थी। इसी बात से नाराज सुरेश ने मुकेश की हत्या करवाई। सुरेश ने बीजापुर में अपने बैडमिंटन कोर्ट परिसर में खाने के बहाने बुलाकर अपने भाई और सुपरवाइजर के हाथों मुकेश की हत्या करवा दी थी।

पत्नी और ड्राइवर को छोड़कर भागा था सुरेश

सुरेश चंद्राकर को पुलिस लगातार ट्रेस कर रही थी। जानकारी मिली कि वह हैदराबाद की तरफ भागा है। हैदराबाद से कुछ ही दूर पहले एक गाड़ी को पुलिस ने रोका, जिसमें सुरेश चंद्राकर की पत्नी और ड्राइवर मौजूद थे। सुरेश इस गाड़ी को छोड़कर भाग चुका था। पत्नी से पूछताछ करते हुए पुलिस को सुराग मिला, जिसके बाद सुरेश को भी पकड़ लिया गया।

अब बोल भी नहीं पा रहे किसान नेता डल्लेवाल

- डॉक्टर बोले- अनशन तोड़ने पर भी खतरा

नई दिल्ली. किसानों की मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चक्कर आ रहा है और उल्टी हो रही है और वह ₹आज बोल भी नहीं पा रहे हैं₹। चिकित्सकों और आंदोलनकारी किसानों ने रविवार को उनकी भूख

हड़ताल के 41वें दिन यह जानकारी दी। डल्लेवाल (70) ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद पंजाब सरकार द्वारा दी जा रही चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी के खिलाफ अवमानना याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने वाला है।

पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नानक सिंह और पूर्व उप महानिरीक्षक नरिंदर भार्गव ने रविवार को खनौरी सीमा पर डल्लेवाल से मुलाकात की, लेकिन कोई बात नहीं बन पाई। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी की मांग सहित किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले साल 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

इंडिया गेट का नाम बदलकर 'भारत माता द्वार' करें

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी के एक मुस्लिम नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर दिल्ली स्थित इंडिया गेट का नाम बदलने की मांग की है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम 'भारत माता द्वार' करने की मांग की है। इस बारे में पीएम को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा कि जिस तरह मोदी शासन में गुलामी के अन्य दागों को धोया गया है, उसी तरह इंडिया गेट का नाम भी बदला जाना चाहिए। पीएम मोदी को संबोधित अपनी चिट्ठी में सिद्दीकी ने लिखा , 'आपको नेतृत्व में भारत के 140 करोड़ भारतीय भाई-बहनों के दिल में राष्ट्र प्रेम एवं भारतीय संस्कृति के प्रति प्यार में समर्पण की भावना बढ़ी है।

मोदी ने जम्मू रेल डिवीजन का उद्घाटन किया

- कहा- 2014 तक 35% रेलवे ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन था, अब 100% के करीब है

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जम्मू के नए रेलवे डिवीजन और तेलंगाना में चरलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। PM ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला भी रखी।

PM ने कहा- पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक ट्रांसफॉर्मेशन का रहा है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में एक विजिबल चेंज आया है। इससे देश की छवि बदली

है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35% रेल लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन हुआ था। आज हम रेल लाइनों के शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन के करीब हैं। बीते 10 वर्षों में 30 हजार किमी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं।

PM ने कहा- हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन की चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को देश के और हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ेगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब का काम पूरा हुआ है।

भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला- रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का मॉर्डनाइजेशन, दूसरा- रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा- रेलवे को देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा- रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सपोर्ट।

बॉर्डर ने ऑस्ट्रेलिया को ट्रॉफी दी, गावस्कर को नहीं बुलाया

- लिटिल मास्टर भड़के तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गलती मानी
- बॉर्डर-गावस्कर के नाम पर है BGT

BGT के प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन में पूर्व भारतीय ओपनर सुनील गावस्कर को नहीं बुलाए जाने पर विवाद हो गया है। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने विवाद बढ़ता देख अपनी गलती मान ली है।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी टेस्ट जीतने के बाद एलन बॉर्डर को प्राइज देने के लिए बुलाया गया। उन्होंने सीरीज जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी दी। जबकि सुनील गावस्कर 100 मीटर की दूरी पर थे, लेकिन उन्हें इस समारोह के लिए नहीं बुलाया गया।

मेजबान बोर्ड ने रविवार को जारी एक स्टेटमेंट में कहा- 'गावस्कर को पता था कि अगर भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीत जाती और ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखती तो वे भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह को पुरस्कार प्रदान करते। हम मानते हैं कि अगर एलन बॉर्डर और सुनील गावस्कर दोनों मंच पर होते तो यह बेहतर होता।'

लिटिल मास्टर के नाम से मशहूर सुनील गावस्कर ने मामले पर नाराजगी जाहिर की थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (BGT) 1996 से खेली जा रही है। मौजूदा सीरीज ऑस्ट्रेलिया के नाम रही। इसे कंगारुओं ने 3-1 से जीता।

गावस्कर ने कोड स्पोटर्स से कहा...

मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है। जो कि ऑस्ट्रेलिया और भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।

BPSC कैंडिडेट्स प्रदर्शन- प्रशांत किशोर को जमानत

- 25 हजार के मुचलके पर पटना कोर्ट ने बेल दी
- धरने के दौरान सुबह 4 बजे गिरफ्तारी हुई थी

पटना. भूख हड़ताल पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (PK) को पटना पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया था। पटना सिविल कोर्ट में उन्हें SDJM आरती उपाध्याय की कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई है। पुलिस उन्हें तड़के 4 बजे जबरन उठाकर ले गई। वहां मौजूद लोगों ने विरोध जताया तो उन पर लाठीचार्ज किया। पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि प्रशांत किशोर को गिरफ्तार किया गया है। प्रशांत और उनके समर्थक गांधी मैदान पर धरना दे रहे थे। इस जगह पर धरना देने की इजाजत नहीं थी।

प्रशांत किशोर को पुलिस एंबुलेंस में AIIMS लेकर गई। उन्हें सभी लोगों से अलग कर दिया गया है। प्रशांत ने किसी भी तरह का इलाज कराने से मना कर दिया है और अपना अनशन जारी रखा है। पुलिस 4-5 घंटे पीके को एंबुलेंस में लेकर घूमती रही। बाद में फतुहा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में उनका चेकअप कराया गया। यहां से पुलिस पेशी के लिए लेकर निकली।

प्रशांत 2 जनवरी से बिहार लोकसेवा आयोग (BPSC) में अनियमितताओं को लेकर पटना स्थित गांधी मैदान में प्रदर्शन कर रहे थे।

सावधान! घने कोहरे की चपेट में यूपी-बिहार समेत कई राज्य

- मौसम विभाग का बारिश को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली. नए साल 2025 में गुजरते दिन के साथ ठंड बढ़ती जा रही है। सोमवार को भी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान समेत कई राज्यों में घना कोहरा देखा गया। साथ ही, शीतलहर के चलते लोगों की कंपकंपी भी छूट रही है। राजधानी दिल्ली को लेकर मौसम विभाग ने सोमवार के लिए आसमान में बादल छाए रहने और सुबह गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। सुबह के समय हवा के 4 किमी प्रति घंटे से कम गति से दक्षिण-पूर्व से चलने की उम्मीद है। आज अधिकांश स्थानों पर धुंध और मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। स

ुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रह सकता है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के क्रमशः 18 और 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

बिहार शीतलहर की चपेट में है जहां कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है। पटना जिला प्रशासन ने कड़ाके की ठंड के कारण कक्षा आठवीं तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 11 जनवरी तक बंद रखने का आदेश दिया है। मौसम विभाग ने बताया कि बिहार में रविवार को सबसे कम तापमान मोतिहारी में 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद सारण में 6.9 डिग्री सेल्सियस, डेहरी में सात डिग्री, समस्तीपुर में 9.2 डिग्री सेल्सियस, वैशाली में 9.8 डिग्री सेल्सियस और पटना में 10 डिग्री सेल्सियस तापामान दर्ज किया गया। राज्य के कुछ स्थानों पर दिन में घना कोहरा छाया रहा।

छत्तीसगढ़ में 8 जवान शहीद, ड्राइवर की मौत

- नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के वाहन पर ब्लास्ट किया
- 30 फीट दूर पेड़ पर गाड़ी के पार्ट्स मिले

बीजापुर. छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने जवानों को लेकर जा रहे वाहन को ब्लास्ट कर उड़ा दिया। इस हमले में दंतेवाड़ा DRG के 8 जवान शहीद हो गए। एक ड्राइवर की भी मौत हुई है। बस्तर रेंज IG ने इसकी पुष्टि की है।

IG बस्तर रेंज सुंदरराज पी ने बताया कि बीजापुर से संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन कर वापस लौट रही थी। सोमवार को करीब सवा 2 बजे गांव अंबेली के पास नक्सलियों ने IED ब्लास्ट किया। धमाका इतना जोरदार था कि वाहन के पार्ट्स 30 फीट दूर पेड़ पर मिले।

वहीं अबूझमाड़ के जंगल में शनिवार देर रात मुठभेड़ में एक DRG जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हुए थे। वहीं, जवानों ने एक महिला नक्सली समेत 5 माओवादियों को भी मार गिराया था।

पेड़ पर गाड़ी का टुकड़ा मिला

बीजापुर मुख्यालय से कुटरू गांव करीब 40 किलोमीटर दूर है। यहीं से कुछ दूर अंबेली गांव के पास यह ब्लास्ट हुआ है। मौके पर 10 से 12 फीट का गड्ढा दिखाई दे रहा है। वहीं, स्कॉर्पियों गाड़ी के भी परखच्चे उड़ गए। 30 फीट दूर पेड़ पर भी स्कॉर्पियो गाड़ी का एक टुकड़ा लटका दिखा।

सीएम स्टालिन ने विधानसभा में राष्ट्रगान गाने से किया इनकार

तमिलनाडु के राज्यपाल का बड़ा आरोप

चेन्नई. तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि सोमवार को नाराज होकर राज्य विधानसभा से बाहर चले गए। राजभवन की ओर से कहा गया कि संविधान और राष्ट्रगान के अपमान के कारण खिन्न होकर उन्होंने यह कदम उठाया। राज्यपाल रवि पारंपरिक अभिभाषण देने के लिए सदन में आए थे। राज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर इसे लेकर एक पोस्ट किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रवि ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु से राष्ट्रगान गाने की बार-बार अपील की, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। तमिलनाडु विधानसभा में आज एक बार फिर भारत के संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया।

संक्षेप...

7 जनवरी को महाराष्ट्र निर्यात सम्मेलन का आयोजन

ठाणे. ठाणे जिला उद्योग केंद्र की ओर से 7 जनवरी को सुबह 9 बजे नियोजन भवन जिलाधिकारी कार्यालय में महाराष्ट्र निर्यात सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ठाणे जिले के लघु और मध्यम उद्यमों को निर्यात संबंधी योजनाओं और गतिविधियों के बारे में सूचित करना और निर्यात विशेषज्ञों की मदद से उन्हें मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है।इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अशोक शिंगारे (बी.पी.एस.), विकास आयुक्त (उद्योग) और महाराष्ट्र उद्योग, व्यापार और निवेश सुविधा सेल के अध्यक्ष राज्य निर्यात आयुक्त दीपेंद्र सिंह कुशवाह उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करेंगे।

हर साल 50 किलोमीटर नई मेट्रो लाइन बिछाने का लक्ष्य

फडणवीस ने एमएमआरडीए की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मुंबई. मुंबई महानगर क्षेत्र में मेट्रो रेल नेटवर्क के पूरा होने की समय-सारिणी को निर्माण और संचालन में तेजी लाने के लिए संशोधित किया जाएगा क्योंकि सीएम देवेंद्र फडणवीस चाहते हैं कि 2026 से हर साल कम से कम 50 किलोमीटर नई लाइनें बनाई जाएं. फडणवीस ने ये निर्देश एमएमआरडीए समीक्षा बैठक में दिए.

उन्होंने शहरी विकास विभाग के लिए 100-दिवसीय कार्यक्रम भी निर्धारित किया जो एमएमआरडीए और अन्य इंफ्रा एजेंसियों को नियंत्रित करता है. 2014 से 2019 के बीच अपने पहले कार्यकाल में, फडणवीस ने एमएमआर में भूमिगत और ओवरग्राउंड मेट्रो नेटवर्क को जोर-शोर से आगे बढ़ाया था. कुछ परियोजनाओं का संचालन शुरू हो गया है, लेकिन कुछ अपेक्षित गति के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाई हैं. आने वाले वर्षों में कोई देरी न करने की मांग करते हुए, सीएम ने उम्मीद जताई कि इस साल से कम से कम 23 किलोमीटर अतिरिक्त लाइनें चालू हो जाएंगी. इसके अलावा, इस साल मेट्रो-3 (पिछले साल आंशिक रूप से शुरू की गई भूमिगत) का 20-25 किलोमीटर भी जोड़ा जाएगा, उन्होंने कहा, 2025 के बाद हर साल 50 किलोमीटर का लक्ष्य रखा गया है. फडणवीस के अनुसार, योजनाकारों को बिना कार शेड के मेट्रो चलाने के बारे में सोचना चाहिए. उन्होंने बैठक में इस संबंध में प्रयोगों के बारे में बताया जिसमें ट्रेनों को पार्क करने के लिए अस्थायी व्यवस्था की जाती है. आगामी लाइनों के लिए कार डिपो के लिए भूमि की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने

योजनाकारों से इस उद्देश्य के लिए भूमि पार्सल आरक्षित करने के लिए कहा. मेट्रो-3 में मुख्य रूप से उस भूमि से संबंधित मुद्दों के कारण देरी हुई जहां कार शेड बनाया जाना था. इसने काम में देरी की और निर्माण की लागत बढ़ा दी. फडणवीस चाहते थे कि एमएमआरडीए इस साल के अंत तक इंदु मिल्स में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के स्मारक को पूरा करे. उन्होंने नोडल एजेंसी से अंबेडकर स्मारक और बालासाहेब ठाकरे स्मारक के वार्षिक रखरखाव के बारे में एक परियोजना रिपोर्ट तैयार करने को कहा.

एकनाथ शिंदे को सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने वाला गिरफ्तार

ठाणे. राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके चुनाव क्षेत्र कोपरी पाचपखाड़ी रहिवासी एक नवयुवक ने सोशल मीडिया के माध्यम से गाली गलौज देकर जान से मारने की धमकी दिया। धमकी देने के पीछे क्या कारण है इसके जांच में पुलिस जुट गई है।

डिप्टी सीएम शिंदे व उबाठा पक्ष का आमना सामना होता रहता है यह सबको पता है।दोनों पक्षों के समर्थक सोशल मीडिया पर हमेशा एक-दूसरे की आलोचना करते रहते हैं। ऐसे में रविवार को एक सिरफिरे युवक ने इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए एक वीडियो वायरल किया। इसमें उसने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी दी।

इस वीडियो के वायरल होते ही ठाणे में शिवसैनिकों ने अपना गुस्सा जाहिर करना शुरू कर दिया।वागले इस्टेट परिसर के शिव सेना (शिंदे गट) पदाधिकारी परेश चालके ने रविवार रात श्रीनगर पुलिस स्टेशन में शिंदे को धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया, पुलिस ने हितेश प्रकाश ढेंडे (26) के खिलाफ मामला दर्ज किया। हितेश वागले इस्टेट के वार्लीपाड़ा का रहिवासी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू किया और सोमवार सुबह उसे मुंबई से गिरफ्तार कर लिया।

उसने ऐसी हरकत क्यों की यह अभी तक समझ नहीं आया है और पुलिस उसकी जांच कर रही है। वही पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम ने धमकी देने वाले युवक की गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि पुलिस जांच कर रही है।

2025 तक पूरा हो जाएगा मुंबई-गोवा हाईवे का निर्माण

रायगढ़. मुंबई-गोवा हाईवे का पूर्ण काम 2025 के आखिर तक होने की संभावना राकांपा के स्थानीय सांसद सुनील तटकरे ने एक निजी टीवी चैनल के साक्षात्कार के दौरान व्यक्त की।

सुनील तटकरे ने कहा कि मैं इस बात से इनकार नहीं करता हूं कि मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण में देरी हुई है। जमीन अधिग्रहण की मात्रा कम है और कुछ नये फैसले किये गये हैं। अब इसमें मौजूद सभी दिक्कतें दूर हो गई हैं. कुछ ठेकेदार समय रहते काली सूची में डालने के लायक भी थे. 2025 के अंत में यह पूरी सड़क बनने की उम्मीद है।

उन्होंने स्वीकार किया कि

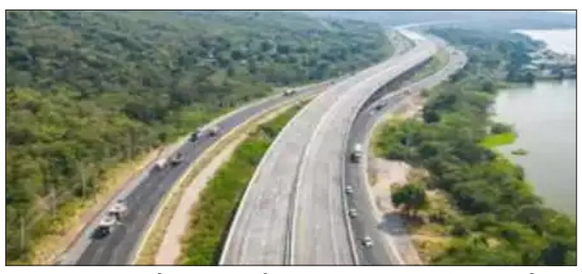

कर्नाला अभ्यारण्य के कारण पहले चरण में थोड़ी देरी हुई. वहां डामरीकरण का काम हुआ. ठेकेदार को अब फंड मिल गया, लेकिन इंदापुर और माणगांव में बाईपास के काम के आगे कुछ समय के लिए यह कार्य रुक गया, लेकिन अब वहां सड़क का सारा काम पूरा हो चुका है.

अब हम स्वतंत्र इच्छा से पूरी सामुदायिक जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग का काम अपेक्षित गति से कर रहे हैं। मैं खुद गडकरी साहब से मिलने के लिए जाने वाला हूं और उनसे इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा, जिससे कि यह हाइवे 2025 बनकर तैयार हो जाए।

लघुशंका करने से मना करने पर की पिटाई

भिवंडी. लघुशंका करने से मना करने पर नाराज एक व्यक्ति के सिर पर कांच की बोतल से हमला करने का मामला सामने आया है. घटना भिवंडी के बाबला कंपाउंड इलाके में हुई. शिकायतकर्ता भिवंडी के कल्याण रोड इलाके में रहता है। शनिवार रात करीब 11 बजे वह बाबला कंपाउंड की गली में गाला नंबर 1 के सामने से गुजर रहा था। उस वक्त वहां 24 साल का एक युवक था जो लघुशंका कर रहा था. फरियादी द्वारा उसे संदेह करने से मना किया गया था। इसी बात से नाराज होकर 24 वर्षीय शिकायतकर्ता के साथ दुर्व्यवहार किया गया.

'लाडकी बहिन योजना' के फर्जी लाभार्थियों के संबंध में जांच की जाएगी : मंत्री तटकरे

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने 'लाडकी बहिन योजना' के फर्जी लाभार्थियों संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करने का फैसला किया है और उनके सत्यापन के लिए आयकर विभाग और परिवहन विभाग से जानकारी मांगी है।

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि सरकार फर्जी लाभार्थियों से संबंधित शिकायतों का ही निपटारा करेगी। पिछले साल अगस्त में

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार द्वारा शुरू की गई 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता प्रदान किया जाता है।

तटकरे ने कहा, 'महाराष्ट्र सरकार लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों की जांच करने के लिए कोई अभियान संचालित नहीं कर रही। हमने सरकार की कोई नीति बदली नहीं है। हम केवल स्थानीय सरकारी कार्यालयों में दर्ज शिकायतों का समाधान कर रहे हैं।'

इससे पहले उन्होंने कहा था कि योजना के लाभार्थियों के संबंध में कोई जांच नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा, 'हमने आयकर विभाग और राज्य परिवहन विभाग से जानकारी मांगी है क्योंकि कुछ शिकायतें ऐसे लाभार्थियों से संबंधित हैं जिनकी सालाना आय 2.5 लाख रुपये से अधिक है या जिनके पास चार पहिया वाहन हैं।'

'लाडकी बहिन' योजना के तहत 2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाली महिलाओं को ही इसका लाभ दिया जाता है।

मराठी पत्रकार दिवस पर मुफ्त में की गई नेत्र जांच

ठाणे. मनपा व ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ की ओर से मराठी पत्रकार दिवस पर मनपा मुख्यालय स्थित पत्रकार कक्ष में छत्रपती शिवाजी महाराज, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर व आचार्य बालशास्त्री जांभेकर के प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर अभिवादन किया गया।इस अवसर पर मनपाअतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त (जनसंपर्क) उमेश बिरारी, ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ अध्यक्ष आनंद कांबले,मनपा जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र मांजरेकर बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ, रोटरी क्लब व इशा नेत्रालय की ओर से उपस्थित सभी लोगों के आँखों का जांच किया गया।

घाटकोपर से 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है. मुंबई पुलिस ने घाटकोपर इलाके से शनिवार (4 जनवरी) देर शाम 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. ये सभी नालासोपारा इलाके में रहते थे. इनकी गिरफ्तारी बहुत ही नाटकीय तरीके से हुई है.

दरअसल, एक बांग्लादेशी की गिरफ्तारी से जुड़ी जांच के दौरान 13 और बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए. इन्हें भारत में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने और रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. महाराष्ट्र पुलिस अवैध प्रवासियों के खिलाफ करवाई लगातार जारी है. यह अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी बताई जा रही है.

'स्वस्थ शरीर के लिए कसरत जरूरी'

■ व्यायामशाला के लोकार्पण पर बोले मनपा वरिष्ठ पार्षद संतोष शेट्टी

भिवंडी. भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र स्थित गोरसई गांव में अत्याधुनिक व्यायाम उपकरणों से सुसज्जित श्री समर्थ व्यायामशाला का लोकार्पण संतोष शेट्टी के हाथों संपन्न हुआ. व्यायामशाला को मनपा पूर्व पार्षद शिवसेना नेता संतोष शेट्टी ने 7 लाख रुपये की निधि से निर्मित कराया है. अपने संबोधन में संतोष शेट्टी ने कहा कि, व्यायाम शरीर को चुस्त दुरुस्त रखता है.प्रत्येक गांव में व्यायाम शाला होना चाहिए. उन्होंने विधानसभा चुनाव मौके पर युवाओं से किया गया वादा निभाया है.शेट्टी ने कहा कि,चुनाव में हार जीत होना आम बात है.अपने लोगों का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए. मैंने चुनाव में हार के बावजूद अपने वचन को निभाया है.आगामी समय में गांव के समग्र विकास के लिए शासन से संवाद कर विभिन्न योजनाओं को अमल में लाने का हरसंभव प्रयास करूंगा.उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि, युवा व्यायामशाला का अधिकतम उपयोग कर खुद को व्यसनमुक्त और स्वस्थ रखें. सरपंच सुदेश अण्णा गायकवाड़ ने संतोष शेट्टी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि,विधानसभा चुनाव में पराजय के बावजूद संतोष शेट्टी ने अपने वादों को पूरा करने वाले सच्चे जननेता हैं. वे युवाओं के सच्चे शुभचिंतक हैं.गांव में अत्याधुनिक व्यायामशाला के उद्घाटन से गांव के लोग उत्साहित हैं. उक्त मौके पर ग्राम सरपंच सुदेश अण्णा गायकवाड़, सदानंद ठाकरे, शरद ठाकरे, रामदास केणे, योगेश केणे, कल्पेश केणे, लहू ठाकरे समेत गांव के सैकड़ों युवा भारी संख्या में मौजूद थे.

रिक्शे में खोए डेढ़ लाख यात्री को लौटाए

ठाणे. वागले एस्टेट क्षेत्र के सावरकर नगर क्षेत्र से ठाणे स्टेशन क्षेत्र की ओर रिक्शा से आते समय एक यात्री ठाणे स्टेशन पर उतरने के बाद सोने आभूषण और डेढ़ लाख रुपये की नकदी से भरा बैग भूल गया। ठाणे परिवहन विभाग ने संबंधित रिक्शा का पता लगा लिया और यात्री के आभूषण और कैश वाला बैग लौटा दिया। वागले एस्टेट इलाके के सावरकर नगर इलाके में रहने वाली संगीता भालेराव और किशोर साल्वे काम के लिए सावरकर नगर इलाके से रिक्शा में सवार होकर ठाणे स्टेशन जा रहे थे। ठाणे स्टेशन क्षेत्र में रिक्शे से उतरते समय जल्दबाजी में दो तोला सोने के आभूषण और नकदी से भरा बैग रिक्शे में ही रह गया।

82 हजार वाहनों पर गिरी ट्रैफिक पुलिस की गाज

मुंबई. मुलुंड ट्रैफिक पुलिस ने जुलाई से दिसंबर 2024 यानी छह माह में 82 हजार 54 वाहनों पर कार्रवाई की है. ट्रैफिक पुलिस ने इन वाहनों पर 2 करोड़, 19 लाख 3 हजार रुपए का जुर्माना किया है. पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में अफरा तफरी मच गई है. उल्लेखनीय है कि मुलुंड मुंबई का प्रवेश द्वार है और मुलुंड यातायात पुलिस की सीमा भांडुप यस वार्ड से लेकर मुलुंड चेक नाका तक है. यातायात पुलिस जगह जगह ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करती रहती है. नो पार्क में खड़े वाहनों को टोइंग किया जाता है.

एस्केलेटर में CR लगाएगी डिजिटल सेंसर

मुंबई: मध्य रेलवे ने मुख्य और हार्बर लाइनों पर सभी एस्केलेटर में डिजिटल सेंसर लगाने का फैसला किया है, ताकि बार-बार रुकने की समस्या को दूर किया जा सके। मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फरवरी 2025 तक मेनलाइन और हार्बर लाइन के रूट्स पर सभी 164 एस्केलेटर में ऐसे सेंसर लगाए जाएंगे, जो एस्केलेटर को रिमोट से फिर से चालू कर सकेंगे। इससे एस्केलेटर को दोबारा शुरू करने में लगने वाला समय 25-30 मिनट से घटकर केवल 2-5 मिनट रह जाएगा।

यह फैसला मध्य रेलवे द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कर्जत/कसारा और CSMT से पनवेल तक के एस्केलेटर पर की गई एक इंटरनल स्टडी के बाद लिया गया।

स्टडी में पाया गया कि प्रत्येक एस्केलेटर औसतन 128 बार प्रति माह रुकता है, जिसमें से 110 बार इसे हैंडल पर लगे लाल बटन को दबाकर मैन्युअल रूप से बंद किया जाता है। इससे यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों को असुविधा होती है।

'परोपकार' ने बढ़ाया गरीबों की तरफ मदद का हाथ

■ 725 गरीब परिवार को मुहैया कराई खाद्य किट

भिवंडी. नववर्ष में आगामी मकर संक्रांति पर्व के निमित्त 'परोपकार' साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थान द्वारा गरीब, जरूरतमंद परिवारों को अन्न किट की सौगात देकर अपनी सार्थकता के अनुरूप सामाजिक कार्य को अंजाम दिया है. 'परोपकार' द्वारा पद्मानगर स्थित अखिल पद्मशाली सभागृह में सेंट्रल कमेटी अध्यक्ष रामकिशोर दरक की गरिमामई मौजूदगी में करीब 725 गरीब, जरूरतमंद परिवारों को अन्न किट की सौगात देकर सबको खुशी प्रदान कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया है. उक्त अवसर पर परोपकार ठाणे भिवंडी क्षेत्रीय समिति अध्यक्ष मनोज डुढाणी, मुरली तापड़िया,राजू गाजेंगी, द्वारका प्रसाद असावा,राकेश मूंदड़ा,ओमजी सोमानी, जेठमल डुढाणी, बृजमोहन मोहता,गजानंद लोहिया, बनवारी लाल खेतान,श्रीधर कोठरी,भाजपा वरिष्ठ नेता कृष्णा गाजेंगी, लक्ष्मी नारायण मुंदडा, महावीर बिहानी, बजरंग डागा,मुरली राठी,केशव

मित्तल, किशोर अग्रवाल, मुकेश डुढाणी सहित तमाम गणमान्य पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि 'परोपकार' साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान द्वारा नववर्ष मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर अन्न किट का वितरण कर संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकार की शानदार मिशाल कायम की. अखिल पद्मशाली समाज सभागृह में आयोजित मकर संक्रांति पर्व निमित्त अन्न किट वितरण समारोह में समूचा सभागृह महिलाओं, पुरुषों से खचाखच भरा हुआ था. 'परोपकार' द्वारा मकर संक्रांति पावन पर्व के सुअवसर पर गरीब जरूरतमंद परिवारों को अन्न किट में खाने की तमाम वस्तुएं चावल, दाल, आटा, शक्कर और रिफाइन तेल परोपकार लिखित प्रिंटेड बैग में भरकर लोगों को सप्रेम भेंट कर मकर संक्रांति नववर्ष की बधाई दी गई. खाद्य किट पाकर जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर अपार खुशी दिखाई पड़ी.

डंपर में 5 वाहनों को मारी टक्कर, 1 की मौत

नवी मुंबई. सायन-पनवेल महामार्ग स्थित जुईनगर के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने पांच वाहनों को जोरदार टक्कर मार दिया जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कई अन्य लोग घायल हो गए।

इस सड़क हादसे में बाइक सवार की मृत्यु हो गई है जबकि एर्टिगा कार में सवार दो लोग गंभीर जख्मी हुए हैं। इस दुर्घटना में मर्सिडीज, एर्टिगा, और अन्य वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

आम सूचना

हम मिस सोनी नागेश मादगुंडी व श्री महेश नागेश मादगुंडी सभी को सूचित कर रहे हैं फ्लैट नं. 202, दूसरा माला, संत कंवाराम पैलेस, बैरक नं. 1101 के पीछे, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर -3. (टैक्स नं. 37बीओ006666500) उक्त प्रॉपर्टी श्री ओमकार सुरेश डमाकाले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.1.2023 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस सोनी नागेश मादगुंडी
व श्री महेश नागेश मादगुंडी

शाहिद कपूर के अंदाज पर फिदा फैंस

शाहिद कपूर के फैंस का इंतजार खत्म हो गया है. उनकी मच-अवेटेड फिल्म 'देवा' का टीजर रिलीज किया गया, जहां उनका जबरदस्त खूंखार और खतरनाक अंदाज देखने को मिला. अब तक आपको लगा होगा कि कमीने, हैदर और कबीर सिंह में जिस शाहिद कपूर को आपने देखा उससे किलर अंदाज उनका और क्या ही होगा? तो आप गलत हो सकते हैं.

खतरनाक कॉप बने शाहिद

देवा के टीजर में शाहिद अपने सबसे खूंखार लुक में नजर आ रहे हैं, जिसे खून खराबे और मार

पिटाई से जरा भी खौफ नहीं है. फिल्म में वैसे तो शाहिद एक पुलिसवाले का किरदार निभा रहे हैं लेकिन उनका अंदाज एकदम रिबेलियस और कातिलाना है. धुआंधार गोली चलाते, दुश्मनों का खात्मा करते और अपने ही सनकी अंदाज में डांस करते शाहिद का लुक बेहद जानदार है. टीजर को देख फैंस ट्रेलर के इंतजार में बेसब्र हो रहे हैं.

माना जा रहा है कि इस एक्शन थ्रिलर फिल्म से शाहिद कपूर भी अपनी इमेज को अमिताभ बच्चन जैसे एंग्री यंग मैन के तौर पर स्थापित करने को तैयार है. टीजर में वो ताबड़तोड़ एक्शन सीक्वेंस करते नजर आ रहे हैं. हालांकि इससे पहले जारी किए गए पोस्टर में भी शाहिद को अमिताभ की जंजीर का फैन दिखाया गया था. पोस्टर में वो मुंह में सिगरेट दबाए, खतरनाक लुक देते दिखे थे. वहीं उनके पीछे बिग बी का जंजीर का आइकॉनिक लुक था.

शाहिद कपूर के बेखौफ लुक को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. यूजर्स का कहना है कि साल 2025 शाहिद के लिए गुड लक लेकर आया है. शाहिद का ये रैम्पेज मोड सबको अच्छा लग रहा है. यूजर्स ने लिखा- कबीर सिंह वाइब्स, आला रे आला देवा आला. एक और ने लिखा- शाहिद कपूर की अब तक इंडस्ट्री को पहचान नहीं हो पाई है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099